राष्ट्रीय हिन्दी मेल, भोपाल
25 OCT 2010

ऐतिहासिक खजुराहो समिट

निवेश की बरसात

22–23 अक्टूबर 2010 की तारीखें मध्यप्रदेश के लिए ऐतिहासिक बन गई हैं जिसमें उद्योगों के लिए तरसते प्रदेश के लिए निवेश की बरसात हुई है और धन की देवी लक्ष्मी जी ने दीपावली के पूर्व ही धन की वर्षा कर दी है तथा मुख्यमंत्री शिवराज सिंह जी को वरदान भी दिया है कि आपके और आपकी टीम के सदस्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, अवर मुख्य सचिव सत्यप्रकाश, ट्राइफैक के एम.डी. अनिल जैन सहित अन्य अधिकारियों ने देश विदेश में जो समिट की है उससे निवेशकों के मन में एक विश्वास जागा है और उनने माना है कि वर्तमान समय में मध्यप्रदेश निवेशकों के लिए स्वर्ग है जहां का मुख्यमंत्री एकल खिड़की के रूप में उन्हें सदैव उपलब्ध है जो भुजा उठाकर घोषणा करता है कि तुम एक पग बढ़ो, मैं चार पग आगे बढ़कर तुम्हें अपने हृदय में जगह दूंगा।

परिणाम स्पष्ट है समिट के पहले दिन एक लाख 20 हजार 647 करोड़ के 22 एमओयू 14 निवेशकों द्वारा किए गए और दूसरे दिन एक लाख 15 हजार 99 करोड़ के 85 करार सहमति पर हस्ताक्षर हुए, कुल 2 करोड़ 35 लाख 736 करोड़ के 107 एमओयू हस्ताक्षर हुए जिसमें उद्योग के क्षेत्र में 75, ऊर्जा में 19, खाद्य प्रसंस्करण में 7, स्वास्थ्य में 2 ऊर्जा में 4 और ऐसे 107 करारों पर 2,35,376 का निवेश सर्वाधिक ऊर्जा में एक लाख 33 हजार 50 करोड़ का निवेश होगा उद्योगों पर एक लाख 552 करोड़ का निवेश प्रमुख है शेष निवेश 11 क्षेत्रों में 21 हजार 534 करोड़ के होंगे जो लाखों लोगों को रोजगार देंगे।

क्षेत्रों में मालवा में 87 हजार करोड़, विन्ध्य क्षेत्र में 74 हजार करोड़, महाकौशल में 32 हजार करोड़ बुंदेलखंड में 20 हजार 478 करोड़ तथा चंबल क्षेत्र में 155 करोड़ के करार होना पूरे मध्यप्रदेश के लिए गौरव की बात है विशेषकर उद्योगों से अछूते बुंदेलखंड के लिए जिसमें बेकारी बेरोजगारी के दिन अब समाप्त होने को है।

सबसे बड़ी बात देश के सबसे बड़े उद्योग घराने अनिल अंबानी द्वारा 75 हजार करोड़ के निवेश का अगले 5 वर्ष में करने का ऐलान है, जो एक लाख लोगों को रोजगार और प्रदेश में 1200 मेगावाट बिजली देने का आश्वासन देता है। आदित्य बिरला ग्रुप के मालिक कुमार मंगलम बिरला और एस्सार ग्रुप के मालिक शशि रुइया की उपस्थिति में पहले ही दिन 14 कम्पनियों ने 22 एमओयू अल्ट्राटेक, जेपी एसोसिएशन, एस्सार स्टील, गेल इंडिया लि., विडियोकोन इंडस्ट्रीज तथा एनटीपीसी जैसी बड़ी कम्पनियों ने हस्ताक्षर किए। छतरपुर में एनटीपीसी के लिए 1400 करोड़ का निवेश, टीकमगढ़ पन्ना में भी सीमेंट तथा स्टील के निवेश और अल्ट्राटेक ने सतना, धार में 6000 करोड़ के सीमेंट उद्योग,जेपी ग्रुप ने 1850 करोड़ के, सतना में सीमेंट, बीना में सीमेंट ग्राइन्डिग,सीधी में 120 मेगावाट का पावर प्लांट, रीवा में सोया प्रोसेसिंग यूनिटों के अलावा सतना, रीवा में 18500 करोड़ के करार हुए।

राज्य सरकार की प्राथमिकताओं को ध्यान में रखते हुए बिजली क्षेत्र में सर्वाधिक करार उस घोषणा का भावी रूप है जिसमें मुख्यमंत्री ने उद्योगों को 24 घंटे बिजली देने का वायदा शामिल है जिसमें 54, 970 करोड़ का निवेश ऊर्जा क्षेत्र को जगमगा देगा।

शिवराज सिंह ने लापरवाह निवेशकों के एमओयू रद्द करने की घोषणा करने के पीछे उन्हें मिला भारी उत्साह है जो अब अच्छे निवेशकों का चयन करने की स्थिति में है, उनने बजट सत्र में निवेश विधेयक लाने की घोषणा की जो उद्योग और निवेश नीति को कानूनी रूप देगा जिसमें निवेशकों को कभी परेशान नहीं होना पड़ेगा उन्हें नीति पर विश्वास करने में जो हिचक है वह कानून का रूप लेकर गारंटी बन जाएगी।

अवर सचिव सत्यप्रकाश द्वारा प्रदेश की स्थिति परिस्थिति तथा संभावनाओं से भरे भविष्य और हमारी प्राकृतिक संपदा की अंग्रेजी में दी गई जानकारियां विदेशियों को आकर्षित करती रही।

दोनों ही दिनों उद्योगपतियों के अलावा केन्द्र में विपक्ष की नेता श्रीमती सुषमा स्वराज द्वारा मध्यपदेश को देश का दिल बतलाकर इसे पोषित करके पूरे देश की खुशहाली बताना कुमार मंगलम बिरला द्वारा मप्र में गहरी रुचि बतलाना दूसरे दिन अंतिम अंबानी द्वारा 5 वर्ष में 75 हजार करोड़ के निवेश का वायदा सचमुच मध्यप्रदेश के उस दिवा स्वप्न को हकीकत में बदलता नजर आया जिसके शिवराज सिंह चौहान को पिछले वर्षों में किए गए प्रयासों को आलोचनाओं झेलनी पड़ी थी परंतु अपनी धुन और सकारात्मक सोच के धनी शिवराज ने एक ही सूत्र पर कि सफलता उन्हें ही मिलती है जो इसके लिए ईमानदारी से प्रयास करते हैं, फलीभूत हो गई और अब मध्यप्रदेश उस द्वार पर खड़ा है जहां से स्वर्णिम मध्यपदेश बनाने का उनका दावा सच होने जा रहा है। बस एक ही बात की और जरूरत है बल्कि उसकी गारंटी की जरूरत है कि जिस जगह निवेशक जाएं उन्हें स्थानीय राजनेता इस बात के लिए परेशान न करें कि उनका हिस्सा कितना होगा, शिवराज जी जानते हैं यह होता है इसको भी संरक्षण देना होगा अन्यथा मुख्यमंत्री के प्रयासों की यह अनेदखी बाधा कहीं न कहीं विकास की प्रक्रिया को रोकेगी। कुल मिलाकर खजुराहो ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के नतीजे आशाओं से भी अधिक है और इस समिट को इतिहास का स्वर्णिम पृष्ठ बनने में देर नहीं लगेगी जिसकी बनने वाली तस्वीर एक और चुनाव जिताने के लिए पर्याप्त होगी।